an>

Title: Need to impress upon the State Governments to implement the Central Schemes without delay.

श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर) : महोदया, हमारे देश के संविधान में संघीय ढांचे को स्वीकृति प्रदान की गई है और केंद्र तथा राज्यों के कार्य की विस्तृत व्याख्या की गई है। हमारा संघीय ढांचे का जो कंसेप्ट है, यह बहुत अच्छा है लेकिन आज के समय में यह बहुत काम करता दिखाई नहीं देता है। हमारे देश के प्रधानमंत्री कोऑपेरेटिव फेडेरलिज्म की बात भी कर रहे हैं, इसके बावजूद देश के सभी राज्यों की जैसी मानसिकता होनी चाहिए, वह नहीं दिखाई दे रही है।

महोदया, देश में हिंदी राÂट्र भाष्Â◌ा होनी चाहिए, इस बारे में तो कोई दो राय नहीं हैं लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं देता है। देश में पानी की बहुत समस्या है। देश की सभी नदियों को जोड़ना चाहिए, इस बारे में चर्चा होती है लेकिन राज्यों की ओर से इस बारे में सकारात्मक सहयोग नहीं मिलता है। देश की सुरक्षा के बारे में एक सरकार पोटा कानून बनाती है तो दूसरी सरकार आने के बाद पोटा कानून को हटा दिया जाता है। मैं चाहता हूं कि संघीय ढांचा के बारे में सदन में चर्चा हो और सभी सदस्यों को अपने भिन्न-भिन्न राजनीतिक विचारों को अलग रखकर सकारात्मक चर्चा सदन में करनी चाहिए।

मेरी मंत्री जी से मांग है कि इस विष्Â◌ाय में चर्चा का आयोजन करें और हम सब मिलकर देश को एक नई दिशा देने का प्रयास करें।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री पी.पी. चौधरी,

श्री शरद त्रिपाठी और

कुंवर पुष्पÂेन्द्र सिंह चंदेल को श्री गोपाल शेट्टी द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।